1. **<u>1978 We first started our work</u>** :- सिरडी ने 1978 में सबसे पहले बैतूल जिले का अध्ययन करने के बाद प्लान बनाया "**Fight Again Hunger and Ignorance**" दस्तावेज बनाया व उसी के आधार पर संस्था का रजिस्ट्रेशन का कार्य प्रारंभ किया. यह दस्तावेज आज भी हमें मील के पत्थर की तरह आगे प्लानिंग करने में मदद करता है. यह कार्य हमने युनिसेफ की मदद से IRA की तरफ से किया था.

1981 में भारत सरकार की तरफ से 300 पुरुष महिला साक्षरता केंद्र (रात्रि शाला) प्रारंभ किये गये यह केंद्र भारत women डेवलपमेंट शासन विभाग की तरफ से संचालित थे. यह 3 वर्ष का कार्यक्रम था.

1981 में CCF के साथ नॉन स्पॉन्सरशिप कार्यक्रम शुरु किया गया जो इंडिया में पहला ही नॉन स्पॉन्सरशिप कार्यक्रम था. 1982 से 14 ग्रामों में 250 बच्चों के साथ नॉन स्पॉन्सरशिप का कार्यक्रम किया गया इसमें बच्चा परिवार समुदाय के साथ मिलकर सामुदायिक विकास व एकीकृत ग्रामीण विकास पर यह कार्यक्रम था. शिक्षा स्वास्थ, पोषण, स्वास्थय, स्वच्छता, आजीविका, पेयजल, कृषि मुख्य ध्येय क्षेत्र थे.

2. **<u>1985 Recognized By the AGDA</u>** : - ये फेस हमारी सीढ़ी का दूसरा चरण था अब तक हम बच्चों, उनके परिवारों व समुदाय के साथ सहज रूप से स्थापित हो गये थे. C.C.F के साथ अब तक हम 27 गाँवों के 800 बच्चों के साथ काम करने लगे थे. इस समय बच्चों के सर्वांगीण विकास कार्यक्रमों के साथ परिवारों के लिये बहुत से कार्यक्रम किये जा रहे थे. ग्राम स्तर पर सिरडी सहयोग समिति, युवा श्रम साधक समाज, जागो बाई अभियान, सिरडी बाल संगठना, किशोर संगठन आदि ग्राम स्तर पर संगठन बनाये गये इन संगठनो के सहयोग से फिर ग्राम विकास के नियोजन एवं क्रियान्वयन का कार्य किया जा रहा है.

इस दौरान संस्था द्वारा बच्चों के लिये व गर्भवती, धात्री महिलाओं के लिये पौष्टिक लड्डू का नियमित वितरण, स्वस्थ्य जाँच, पारंपरिक पद्धतियों में स्वस्थ की विधियों का कार्य किया. डेरी डेवलपमेंट, वेस्ट लेण्ड डेवलपमेंट, कृषि व पशु पालन पर बड़े रूप में काम किया. इस बीच सिरडी ने आंगनवाड़ी/सहायिका प्रशिक्षण केंद्र भी चलाया. युवाओं के लिये फूड प्रोसेसिंग/ सिलाई, कढ़ाई, बेल्डिंग, इलेक्ट्रिशियन, ड्राईविंग, मोटर मैकेनिक के रहवासी प्रशिक्षण चलाये व करीब 1000 युवक-युवतियों को प्रशिक्षित किये.

3. **<u>1995 Grow to over Hundred Volume teers</u>** :- ये समय महिलाओं के लिये फोकस समय था यहाँ से ग्राम स्तरीय संगठनो की मजबूती के साथ-साथ महिलाओं की सभी संगठनो में विशेष भागीदारी व उनपर ध्येय बढ़ाया सबसे पहले महिलाओं से जुड़े विशेष मुददा पानी पर काम किया, परंपरागत पानी के स्त्रोतों को ठीक करने का काम किया कुँआ व हैंडपम्प पर काम किया महिलाओं को हैंडपम्प ठीक करने के प्रशिक्षण दिये. महिला जागृति के लिये महिला हिंसा जेंडर पर कार्य किया. पंचायती राज में महिलाओं की क्षमता विकास व सशक्तिकरण का कार्य किया.1998 से नाबार्ड के साथ मिलकर किसान महिला रूचि समूह बनाये व उनकी क्षमता बढ़ाई. इसी समय SHG बनाने की प्रक्रिया शुरु की 200 समूह बनाकर समूहों का फेडरेशन "साथिन फेडरेशन" बनाया महिलाओं के समूहों ने बहुत सी IGA प्रारंभ की जिनमें प्रमुख
   1. सिलाई कढ़ाई सेन्टर
   2. कथडी निर्माण इकाई
   3. ताना-बाना बुनकर समिति
   4. सिरडी महिला गृह उद्योग
   5. जैविक उत्पादन प्रकल्प
   6. फूड प्रोसेसिंग क्षमता सेन्टर
   7. ट्रेकिंग – महुआ, चिरौंजी, सोयाबीन

इस दौरान 1998 से 2005 तक महिला सशक्तिकरण स्वशक्ति (वर्ड बैंक) ताना-बाना (कनाडा एंबेसी) ICT एमिक सिंगापुर) पेक्स कार्यक्रम, CCF में PRIW में म.प्र. सरकार के साथ युनिसेफ के प्रोजेक्ट पर काम किया

4. 2010 Become Part of women's Rights : - 2005 से 2007 के बाद भी फेक्स कार्यक्रम CCF के साथ पंचायती राज में महिलाये, women's, SHG महिला स्वास्थ एवं पोषण पेयजल से संबंधित मुद्दों पर कार्य किया. म.प्र. विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद व ITC कम्पनी (CSR) परियोजना जैविक प्राकृतिक पद्धति में महिला FIG 700 सदस्यों के साथ प्रशिक्षण उत्पादन व बिक्री पर कार्य किया.

   किशोरी बालिकाओं के लिये स्वास्थ पोषण एवं स्वच्छता व शिक्षा पर कार्य किया दूरदराज की बालिकाओं के लिये सिरडी परिसर में छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करवायी किसान मित्र सेंट्रल इंडिया नेटवर्क के तहत महिला किसानों व एकल महिला को संगठित कर उनके साथ निरंतर कार्य कर रहें है.

5. 2015 Become A Global Volunteer 2015/2016 से बहुत स्पष्टता के साथ महिलाओं पर फोकस कार्यक्रमों को ही हमने पूरी तरह फोकस कार्यक्रम बनाया जिसमें
   a. पंचायती राज में चुनी हुई महिलाओं की प्रशिक्षण द्वारा क्षमता विकास

b. ग्राम सभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना.
c. भविष्य के नेताओं को तैयार करना.
d. एकल महिलाओं की पारिवारिक, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक व कानूनी समस्याओं का पैरवी व नेटवर्किंग.
e. किसान महिलाओं को जानकार बनाना व पहचान बनाना.
f. मनरेगा में महिलाओं को रोजगार से जोड़ना.
g. जल जीवन मिशन (वॉश) की उपसमिति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना.
h. महिला स्वास्थ्य एवं पोषण
i. किशोरी बालिकाये शिक्षा स्वास्थ्य पोषण व कौशल विकास.
j. आजीविका मिशन के समूह की महिलाये.
k. मध्याह्न भोजन व पोषण आहार बनाने वाले SHG की क्षमता विकास.
l. ग्राम स्तरीय महिला स्वयं सेवकों (FLW) को एक मंच पर लाना व मिलकर काम करना.

ये कार्यक्रम हम निरंतर विभिन्न संस्थाओं व दवाओं की मदद से निरंतर चला रहे हैं.